



## टुटी सड़के

इन टूटी सड़को पर न चला करो,  
इन समाज के बेजान नियमों को  
न माना करो,  
जिन्हें न मजहब पता है ना प्रेम पता है,  
वो क्या जानें सच्चा धर्म क्या है।  
इन खामोश निगाहों से पुछो  
सच्चा प्रेम क्या है।  
मित्र जाते हैं जो अपने कारवां के लिए  
मर जाते हैं जो अपने वतन के लिए  
एक बार उन वीर साथियों पर,  
प्रेम का आगाज जला के देखो।  
हो जाएगा जीवन सफल तुम्हारा  
इन टुटी सड़को पर न चला करो।  
इन समाज के बेजान नियमों को न  
माना करो।

कमलेश पाण्डेय  
ऑपरेशन एक्जिक्यूटिव  
रांची शाखा, झारखंड

## वादा

चले गए क्यों दूर बहुत तुम,  
छोड़ कर मुझे क्यों दोस्त,  
तोड़ लिया क्यों वादा,  
तुम कहते थे बहुत दूर तक  
साथ तुम्हारा दुगाँ,  
जो भी काँटे मिले रास्ते में,  
मैं उसको कूचलुगी,  
तुम कहते थे पढ़ लिखकर,  
तुम जग में नाम कमाओ,  
जैसे तारे नील गगन में,  
धरती पर छा जाओ,  
मैंने कहना मान तुम्हारा,  
देखो सब कुछ पाया,  
लेकिन खोकर तुमको दोस्त,  
मन मेरा भर आया,  
आज रो रहा हूँ मैं बैठा,  
मुझको धैर्य बंधाओ,  
वैसे आकर नहीं आ सकते,  
सपनों में आ जाओ।

प्रेम सागर सिंह  
फिल्म स्टाफ, समस्ती पुर  
शाखा

## गरीबदास

गरीब दास जी ने मुझे चाय पर बुलाया।  
अपने चारों बेटों से मेरा परिचय करवाया।  
सब से बड़ा लड़का एम. बी. बी.एस पास है।  
नाम उस का हैप्पी है, रहता उदास है।  
यह जो टूली खाट पर लेटा है,  
यह मेरा दुसरा बेटा है लंदन से आया है।  
इंजिनियर की डिग्री लाया है।  
यह जो नल पर पानी भर रहा है,  
यह मेरा तीसरा बेटा है।  
हिन्दी में एम. ए कर चुका है पी. एच. डी  
कर रहा है।  
चौधे का दिमाग जरूरत से ज्यादा हाई है,  
पढ़ लिख नहीं सका इसलिए पेशे से नाई है।  
हेयर ड्रेसिंग सलून पर जाता है।  
अच्छे अच्छी की हजामत बनाता है।  
मैंने कहा गरीब दास जी परिवार का  
रेज्युटेशन सम्भालिये।  
इस नाई को घर से निकालिये,  
आप ने तीनों बेटों को खूब पढ़ाया,  
पर यह मखमल में टाट का पैबन्द कहां से  
आया।  
वे बोले निकाल तो दूँ पर, आजकल यह  
बहुत काम आ रहा है,  
बाकी सब तो बेरोजगार है।  
घर का खर्चा तो यही चला रहा है।

राजन दत्ता  
यमुना नगर (हरियाना, पंजाब)

## चुटकुलें

### पहला कंजुस :

कितना अच्छा रहता कि तुम आज मुझे चाय पिलाते ?

### दूसरा कंजुस :

घबराओ मत, मैंने ऑर्डर दे रखा है।

### पहला कंजुस :

कहाँ ?

### दूसरा कंजुस :

तुम्हारे घर पर।

### टीचर :

सच और भ्रम में क्या अंतर है ?

### अंकित अध्यापिका :

आप पढ़ा रहे हैं; यह सच है। परंतु हम पढ़ रहे हैं, यह  
आपका भ्रम है।



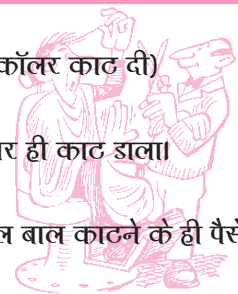
(बाल काटते वक्त नाई ने ग्राहक की कॉलर काट दी)

### ग्राहक :

अरे भाई! ये क्या, तुमने तो मेरा कॉलर ही काट डाला।

### नाई :

चिंता मत करे श्रीमान, मैं आपसे केवल बाल काटने के ही पैसे  
लूँगा।



### एक अंग्रेज ने एक भारतीय से पूछा :

आपके यहाँ कोई गोरा तो कोई काला क्यों होता है।

### भारतीय ने कहा :

इसलिए कि गंधे एक रंग के होते हैं और घोड़े रंग-बिरंगे  
होते हैं।

### अमित कुमार पाण्डे

एस/ओ कमलेश पाण्डे

ओ. पी. एस एक्जिक्यूटिव, रांची - झारखंड